

YA GOVERNMENT DEGREE COLLEGE FOR WOMEN CHIRALA  
DEPARTMENT OF HINDI  
GENERAL HINDI COURSE OUTCOMES 2025 - 2026

पाठ्यक्रम के परिणाम: COURSE OUTCOMES:

- सामान्य हिन्दी/हिन्दी साहित्य।
- हिंदी व्याकरण एवं साहित्य का बुनियादी ज्ञान।
- प्रभावी हिन्दी संचार कौशल का विकास।
- छात्रों की भाषाई क्षमता विकसित करके उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाया गया

कार्यक्रम के परिणाम: Program Outcomes:

- हिन्दी भाषा एवं साहित्य की उत्पत्ति को समझना।
- हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं को समझना।
- समृद्ध हिंदी शब्दावली।
- हिन्दी साहित्य के पीछे के दर्शन को समझें।
- अतीत से वर्तमान तक हिंदी साहित्य का मूल्यांकन करें और इसे समाज को समझने के लेंस के रूप में उपयोग करें।
- अपनी राष्ट्रभाषा का ज्ञान दूसरों तक फैलाएं।

BA, BCOM, BSC First Year- Second Language Hindi  
Semester-I हिंदी गद्य साहित्य -1 [ गद्य साहित्य, कथा, व्याकरण, पत्र लेखन, कार्यालयीन शब्दावली]

लक्ष्य:

- \* विद्यार्थियों को गद्य की विविध विधाओं से परिचित करवाना।
- \* हिन्दी भाषा के विशिष्ट साहित्यकारों का परिचय उनकी रचनाओं की विशिष्टता का ज्ञान प्राप्त कर पाना।
- \* हिन्दी साहित्य के संक्षिप्त इतिहास से परिचित करवाना।
- \* हिन्दी व्याकरण की सभी पहलुओं पर विद्यार्थियों को विशद रूप अध्ययन कराना, क्योंकि व्याकरण ही भाषा की रीढ़ होती है।
- \* विद्यार्थियों को पत्र लेखन के आवश्यक नियमों से अवगत कराना, शिष्ट भाषा का प्रयोग एवं प्रभावपूर्ण लेखन विधि से परिचित करवाना।

परिणाम: पाठ्यक्रम के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

- \* निबंध, रेखाचित्र, कहानी जैसी गद्य की विभिन्न विधाओं को समझ पाना एवं विश्लेषण कर पाना।
- \* सच्चे मित्र के गुणों से अवगत हो पाना, जो की स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए अति आवश्यक है।
- \* पठित रचनाओं में दर्शित सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक आदि संदर्भों का मूल्यांकन कर पाना।
- \* धार्मिक सहिष्णुता, देश प्रेम आदि उत्तम भावनाओं को जागृत कर पाना।
- \* हिन्दी साहित्येतिहास के संक्षिप्त अध्ययन से विविध काल एवं तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत होना।
- \* व्याकरणिक इकाइयों की समझ एवं प्रभावपूर्ण पत्र लेखन का ज्ञान अर्जित कर सकना।

BA, BCOM, BSC First Year- Second Language Hindi

Semester-II हिंदी पद्य साहित्य -2 [ पद्य साहित्य, हिंदी साहित्य इतिहास, व्याकरण, अनुवाद – कार्यालयीन शब्दावली प्रयोजनमूलक हिन्दी]

लक्ष्य:

- \* कबीर और तुलसी के दोहों में व्यक्त सामाजिक संदेश जो आज के समय में भी प्रासंगिक है, विद्यार्थियों को उनसे परिचित कराना। सूर के पदों की लयात्मक से परिचित हो पाना।
- \* आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी कवियों का योगदान एवं विभिन्न साहित्यिक परंपराओं में उनके योगदान का आकलन कर सकेंगे।
- \* निबंध के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होना।
- \* प्रयोजनमूलक हिन्दी के अंतर्गत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी पत्रों से अवगत हो पाना।
- \* अनुवाद और संक्षेपण ऐसी कलाएँ हैं, जिनके अभ्यास से विद्यार्थी भाषाओं पर निपुणता हासिल कर सकेंगे।

परिणाम: द्वितीय सत्र के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

- \* प्राचीन कविता के अध्ययन से विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना जागृत होगी, काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे।
- \* आधुनिक काल की विविध प्रक्रियाओं का आकलन तथा विश्लेषण।
- \* विभिन्न निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की श्रीवृद्धि।
- \* प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में अनुवादक पद के लिए अपने आप को तैयार कर पायेंगे।
- \* अनुवाद अभ्यास जो साहित्यिक एवं अनुप्रयुक्त माध्यम से करवाया जाता है, यह विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।
- \* संक्षेपण कला के अभ्यास से भाषाई निपुणता प्राप्त कर सकते हैं।